MONTHLY PROGRESS REPORT

July-September 2022

KUMAUN UNIVERSITY NAINITAL

Sleepy Hollow, Nainital-263001
Uttarakhand, India

MONTHLY PROGRESS REPORT

July-September 2022

Index

S. No.		Title	Page No.
1.	**Major Achievements/ Awards**		
	1.1	Achievement: Kumaun University got 61st position in pharmacy category in NIRF ranking	01 - 02
	1.2	Achievement: In India Today survey, Kumaun University got 28th place in the country and first place in the state	02 - 03
	1.3	Professor Santosh Kumar of the Department of Geology of Kumaun University received the National Geoscience Award	04 - 04
	1.4	Tannu Malik, student of Kumaun University won bronze medal in Asian Kushti Championship	05 - 05
	1.5	Kumaon University's Nano Science Center gets a patent for making supercapacitors from waste tires	06 - 06
2.	**New Developments**		
	2.1	Indian language, culture and art cell was constituted in Kumaun University	07 - 07
	2.2	Kumaun University constitutes Mentoring and Psychological Counseling Cell	08 - 08
	2.3	Hon'ble Education Minister, Government of Uttarakhand inaugurated the newly constructed ERP cell and examination halls in the administrative building	08 - 09
3.	**Aajadi ka Amrit Mahotsav**		
	3.1	One day state level workshop organized by Kumaon University on the topic "National Education Policy 2020" under Aajadi ka Amrit Mahotsav	10 - 10
	3.2	Tiranga yatra taken out by teachers, staff and students in DSB campus of Kumaon University	11 - 12
	3.3	National Service Scheme Cell organized seminar and blood donation camp in DSB premises under Amrit Mahotsav	13 - 13
	3.4	A two-day socio-cultural festival "Rituranga 2022" was organized in IPSDR under the Amrit Mahotsav	13 - 14
	3.5	Lecture seminar organized in DSB campus under the Amrit Mahotsav of Azadi	15 - 15
	3.6	Under the Amrit Mahotsav of Azadi, the Department of Forestry & Environmental Sciences organized posters, essays and lecture series	15 - 16
	3.7	One day cultural & awareness program organized by Geology Department under Amrit Mahotsav	17 - 18
	3.8	A seven-day workshop on Knowledge Environment in Research Advancement through Nurturing (KIRAN) was organized in the Department of Geology	19 - 20

1. Major Achievements/Awards

1.1 Achievement: Kumaon University got 61st position in pharmacy category in NIRF ranking

The Union Education Ministry has released the National Institutional Ranking Framework 2022 (NIRF 2022) list of higher educational institutions across the country. This time also Kumaon University has included its name in the top educational institutions of the country. This time the rankings have been released in Research, Overall, University, Management, College, Pharmacy, Medical, Engineering, Architecture, ARIIA (Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements) and Law categories. In which Kumaon University has got 61st position in pharmacy category.

एनआईआरएफ रैंकिंग में कुमाऊं विवि की उपलब्धि

फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग को 61वां स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में कुमाऊं विवि के भीमताल में स्थित सर जेसी बोस टेक्निकल परिसर के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग को देश में 61वां स्थान मिला है।

वर्ष 1997 में फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग की स्थापना हुई। शुरूआत में रसायन विज्ञान विभाग के भवन में इसकी शुरूआत हुई। वर्ष 2004 में भीमताल परिसर में स्थित वर्तमान भवन में इस विभाग को स्थापित किया गया। वर्ष 2008 में पूर्णकालिक प्रो. विजय जुयाल की नियुक्ति से विभाग ने तरक्की की। स्नातकोत्तर स्तर पर चार विशिष्टीकरण शुरू किए गए जबकि 2009 से शोध विद्यार्थियों का पंजीकरण शुरू हुआ।

इसके बाद विभाग अकादमिक, शोध एवं प्रसार के मानकीकरण के अनुरूप स्थापित करने के प्रयास शुरू हुए। कुलपति प्रो. एनके जोशी के कार्यभार ग्रहण करने के बाद शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में विभाग 75वें स्थान पर रहा था। इस वर्ष विभाग मंत्रालय की ओर संस्थानों में 61वें पायदान पर है।

इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. जोशी, परिसर निदेशक प्रो. पीसी कविदयाल, विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता सिंह, निदेशक आईक्यूएसी प्रो. राजीव उपाध्याय, कुलसचिव दिनेश चंद्र, वित्त नियंत्रक अनीता आर्य, उप कुलसचिव दुर्गेश डिमरी आदि ने खुशी व्यक्त की है।

On this achievement of the university, Vice Chancellor Prof. N.K. Joshi congratulated all the professors, staff and students and all the officers, teachers, employees and students have expressed happiness.

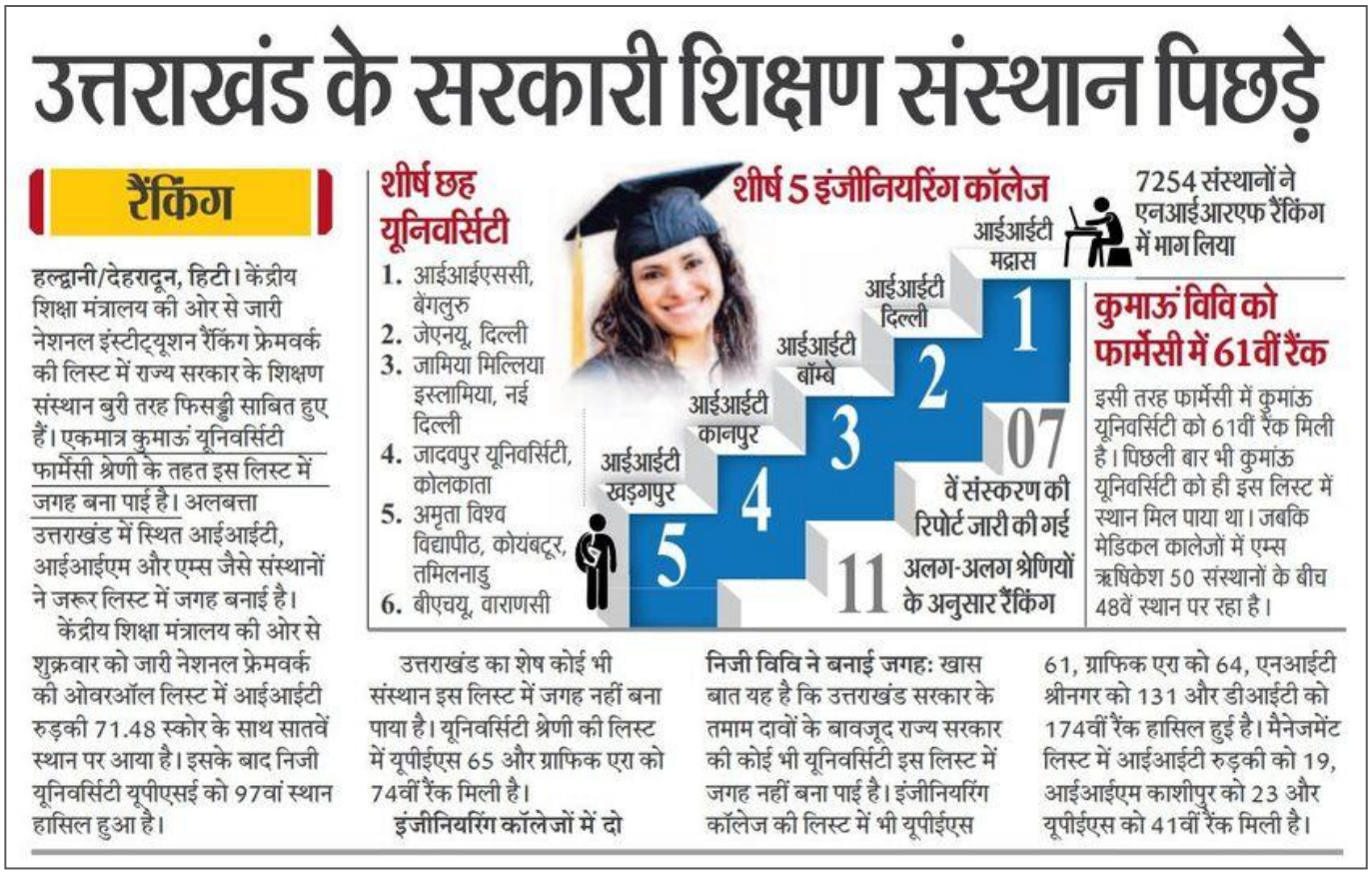

उत्तराखंड के सरकारी शिक्षण संस्थान पिछड़े

रैंकिंग

हल्द्वानी/देहरादून, हिटी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क की लिस्ट में राज्य सरकार के शिक्षण संस्थान बुरी तरह फिसड्डी साबित हुए हैं। एकमात्र कुमाऊं यूनिवर्सिटी फार्मेसी श्रेणी के तहत इस लिस्ट में जगह बना पाई है। अलबत्ता उत्तराखंड में स्थित आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों ने जरूर लिस्ट में जगह बनाई है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी नेशनल फ्रेमवर्क की ओवरऑल लिस्ट में आईआईटी रुड़की 71.48 स्कोर के साथ सातवें स्थान पर आया है। इसके बाद निजी यूनिवर्सिटी यूपीएसई को 97वां स्थान हासिल हुआ है।

उत्तराखंड का शेष कोई भी संस्थान इस लिस्ट में जगह नहीं बना पाया है। यूनिवर्सिटी श्रेणी की लिस्ट में यूपीईएस 65 और ग्राफिक एरा को 74वीं रैंक मिली है।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में दो निजी विवि ने बनाई जगह: खास बात यह है कि उत्तराखंड सरकार के तमाम दावों के बावजूद राज्य सरकार की कोई भी यूनिवर्सिटी इस लिस्ट में जगह नहीं बना पाई है। इंजीनियरिंग कॉलेज की लिस्ट में भी यूपीईएस 61, ग्राफिक एरा को 64, एनआईटी श्रीनगर को 131 और डीआईटी को 174वीं रैंक हासिल हुई है। मैनेजमेंट लिस्ट में आईआईटी रुड़की को 19, आईआईएम काशीपुर को 23 और यूपीईएस को 41वीं रैंक मिली है।

शीर्ष छह यूनिवर्सिटी

1. आईआईएससी, बेंगलुरु
2. जेएनयू, दिल्ली
3. जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
4. जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता
5. अमृता विश्व विद्यापीठ, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. बीएचयू, वाराणसी

शीर्ष 5 इंजीनियरिंग कॉलेज

1 आईआईटी मद्रास
2 आईआईटी दिल्ली
3 आईआईटी बॉम्बे
4 आईआईटी कानपुर
5 आईआईटी खड़गपुर

07 वें संस्करण की रिपोर्ट जारी की गई

11 अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार रैंकिंग

7254 संस्थानों ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लिया

कुमाऊं विवि को फार्मेसी में 61वीं रैंक

इसी तरह फार्मेसी में कुमांऊ यूनिवर्सिटी को 61वीं रैंक मिली है। पिछली बार भी कुमांऊ यूनिवर्सिटी को ही इस लिस्ट में स्थान मिल पाया था। जबकि मेडिकल कालेजों में एम्स ऋषिकेश 50 संस्थानों के बीच 48वें स्थान पर रहा है।

1.2 Achievement: In India Today survey, Kumaun University got 28th place in the country and first place in the state

Due to the qualitative change in its academic and administrative activities, Kumaun University has been ranked 28th nationally and first in the state in the survey conducted by India Today Group (August, 2022). The university has made the state proud by securing 28th position in the country and first in the state. Vice Chancellor Prof. NK Joshi while congratulating the colleagues and staff for this achievement said that it is a matter of great pride for the university and reflects the hard work of the faculty, staff and students, which is now recognized and appreciated at the national and international level.

उपलब्धि: देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल हुआ कुमाऊँ विश्वविद्यालय

इंडिया टुडे के सर्वे में मिला देश में 28वां एवं उत्तराखंड राज्य में पहला स्थान

आज समाचार सेवा

नैनीताल। अपने अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में आए गुणवत्तापूर्ण बदलाव के चलते कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल को इंडिया टुडे समूह की ओर से कराए गए सर्वे (अगस्त-2022) में राष्ट्रीय स्तर पर 28वां एवं उत्तराखंड राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय ने देश में 28वां एवं राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर ना केवल नैनीताल बल्कि राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है।

विवि के आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राजीव उपाध्याय ने बताया कि इंडिया टुडे रैंकिंग ने अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता तथा विद्वानों के वैश्विक सर्वेक्षण, शोध एक्सीलेंस, कॅरियर प्रोग्रेशन, उपलब्धियां, मूलभूत सुविधाएं, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला की स्थिति, उपकरण, फैकल्टी, प्रशासनिक ढांचा समेत अन्य मानकों के आधार पर विश्वविद्यालय को सम्मानित किया है। यह रैंकिंग उच्च शिक्षा और अनुसंधान की राष्ट्रीय स्थिति का पता देती है। प्रो0 उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऑल-राउंड एक्सीलैंस के लिए हम जो प्रयास करते हैं और जिस स्तर की प्रतिबद्धता हम व्यक्त करते हैं, यह रैंकिंग दरअसल हमारी इन्हीं कोशिशों को साबित करती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कुलपति प्रो0 एन0के0 जोशी के नेतृत्व में अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध प्रभाव को लेकर काफी सुधार किया है। विवि के कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने विश्वविद्यालय प्रबंधन, सभी अधिकारियों, संकाय प्रमुखों, प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं तथा उनके अभिभावकों आदि को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि सामूहिक प्रयास व जिम्मेवारी की बदौलत कुमाऊँ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर यह मुकाम हासिल किया है।

विवि के लिए बहुत गर्व का विषय है: कुलपति

नैनीताल। कुविवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने इस उपलब्धि के लिए सहयोगियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत गर्व का विषय है साथ ही शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है, जिसे अब राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाना एवं सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा शोध, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, क्वालिटी ऑफएजुकेशन, बेहतर सुविधाएं देने व व्यवस्था को पारदशीज़ बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं एवं विश्वविद्यालय अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को अपनाने हुए लगातार उच्च शिक्षा के शीर्ष केंद्र के रूप में उभरने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

कुमाऊँ विवि की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

नैनीताल। कुमाऊं विवि की ओर से जो वर्तमान में प्रयास किए जा रहे हैं उनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के राज्य स्तर पर क्रियान्वयन के साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीबीसीएस लागू किया है। इसके अलावा प्लेसमेंट एंड कॉउंसलिंग सेल का पुर्नगठन किया गया है। इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (नवोन्मेष व उद्भवन केंद्र) की स्थापना की गई है। कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन सेंटर (प्रतियोगी परीक्षा केंद्र) की स्थापना की गई। यूजीसी क्वालिटी मेनडेट को लागू किया गया। शिक्षकों, लैब-लाईब्रेरी व अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं के फीडबैक हेतु ऑनलाइन फॉर्म।

- अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में पारदशिज़्ता एवं गुणवत्ता लाने हेतु ई0आर0पी0 सेल स्थापित की गई। एग्रोनोमी, एनवायरनमेंट, बायोकेमिस्ट्री, बायोइन्फमेज़टिक्स एवं मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में एमएससी पाठ्यक्रम आरम्भ किया। क्रिमिनोलॉजी एवं साइबर सिक्योरिटी में क्रमशः स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरम्भ हुआ। बीबीए-एलएलबी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया तथा राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर 13 पेटेंट हासिल किये।

1.3 Professor Santosh Kumar of the Department of Geology of Kumaun University received the National Geoscience Award

Professor Santosh Kumar of the Department of Geosciences, Kumaun University has been awarded the National Geoscience Award for 2022. This award is given by the Ministry of Mines and Minerals, Government of India. Professor Santosh Kumar formerly Head of Department of Geology, Dean Science and has also been Director IQAC. He was given this award on 12 July in Delhi.

वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक डॉ. संतोष को मिला नेशनल जियोसाइंस अवार्ड

माई सिटी रिपोर्टर

नैनीताल। कुमाऊं विवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. संतोष कुमार को भूगर्भ के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए भारत सरकार के खान एवं खनिज मंत्रालय ने नेशनल जियोसाइंस अवार्ड से सम्मानित करने का फैसला लिया है। प्रो. संतोष कुविवि के तीसरे भू वैज्ञानिक हैं जिन्हें यह अवार्ड प्राप्त हुआ है। इससे पहले यह अवार्ड प्रसिद्ध भू वैज्ञानिक प्रो. केएस वाल्दियां और डॉ. बीएस कोटलिया को मिल चुका है।

प्रो. संतोष कुमार

अवार्ड पाने वाले कुमाऊं विवि के तीसरे वैज्ञानिक बने डॉ. संतोष

कुविवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार गोस्वामी ने बताया कि नेशनल जियोसाइंस अवार्ड भूगर्भ विज्ञान का सबसे बड़ा और सर्वश्रेष्ठ अवार्ड है। बताया कि प्रो. संतोष कुमार आग्नेय शेल और भू रसायनिकी के क्षेत्र में कार्य करते हैं। अभी तक वह उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र के अलावा लद्दाख, दक्षिण भारत, मध्य भारत, राजस्थान समेत कई प्रांतों में अपने विषय पर शोध कार्य कर चुके हैं।

प्रो. संतोष कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समितियों के सदस्य भी हैं। भूगर्भ विषय के संबंध में उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और कई शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. संतोष कुमार वर्ष 1999 से कुमाऊं विवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग में कार्यरत हैं। वह मूलरूप से यूपी के गाजीपुर के निवासी हैं।

1.4 Tannu Malik, student of Kumaun University won bronze medal in Asian Kushti Championship

Tannu Malik, a student of Kumaun University, made the country proud by winning a bronze medal in the Asian Wrestling Championship held in Manama, Bahrain. In the Asian Wrestling Championship held from July 4 to 9, Tannu performed brilliantly in the 59 kg weight category, defeating Naromi Nakamura of Japan..

एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में कुमाऊं विवि की तन्नू ने जीता कांस्य पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। कुमाऊं विवि की छात्रा तन्नू मलिक ने बहरीन की राजधानी मनामा में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।

कुविवि के क्रीड़ाधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा ने बताया कि चार जुलाई से नौ जुलाई तक बहरीन में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में 59 किग्रा भार वर्ग में तन्नू ने शानदार प्रदर्शन किया। बताया कि तन्नू अब 16 जुलाई को वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप के लिए होने वाले ट्रायल में हिस्सा लेगी। ट्रायल में भारतीय कुश्ती महिला टीम का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि तन्नू मलिक का चयन होता है तो वह बुल्गारिया में आयोजित होने वाली विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

डॉ. शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व तन्नू मलिक ने चौधरी बंसीलाल विवि भिवानी में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विवि महिला कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक और जैन विवि बंगलूरू में हुई खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त कर इतिहास रचा था। वर्तमान में तन्नु मलिक लखनऊ में कुश्ती का प्रशिक्षण ले रही हैं।

कुलपति प्रो. एनके जोशी को कांस्य पदक सौंपते क्रीड़ाधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा।

तन्नू मलिक।

डॉ. शर्मा ने तन्नू के इस पदक को कुलपति प्रो. एनके जोशी को सौंपा। इस मौके पर कुलसचिव दिनेश चंद्र, वित्त नियंत्रक अनीता आर्य, उप कुलसचिव दुर्गेश डिमरी, डॉ. ललित तिवारी, डॉ. हरीश चंद्र सिंह बिष्ट आदि ने खुशी जताई है।

1.5 Kumaon University's Nano Science Center gets a patent for making supercapacitors from waste tires

The Professor Rajendra Singh Nano Science and Nanotechnology Center, operating under the Department of Chemistry, Kumaon University, has received a patent for making supercapacitors from the waste of old worn vehicle tires. With this success, old waste tires can be used to manufacture graphene, an industrially important material.

This patent is said to be a pioneering work towards manufacturing the highest material graphene at the lowest cost as well as the highest capacity supercapacitor.

कामयाबी

विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की बड़ी उपलब्धि

टायर अपशिष्ट से बनाएंगे सुपरकैपेसिटर कुमाऊं विश्वविद्यालय को मिला पेटेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। कुमाऊं विवि के प्रो. राजेंद्र सिंह नैनो साइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी सेंटर रसायन विज्ञान विभाग को टायर अपशिष्ट से सुपरकैपेसिटर बनाने का पेटेंट हासिल हुआ है। यह पेटेंट मिलना कुमाऊं विवि के लिए बड़ी उपलब्धि है।

प्रो. नंद गोपाल साहू के मुताबिक अपशिष्ट टायर को औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पदार्थ ग्राफीन निर्माण के लिए प्रयोग में लाया जा सकेगा। यह पेटेंट न्यूनतम लागत में उच्चतम पदार्थ ग्राफीन के निर्माण के साथ साथ सर्वोच्च क्षमता का सुपरकैपेसिटर बनाने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य है जो निकट भविष्य में विद्युत चलित वाहनों के निर्माण व उपयोग के लिए अहम भूमिका निभाएगा।

प्रो. साहू ने कहा कि प्रो. एबी मेलकानी के साथ ही शोधार्थी गौरव, डॉ. चेतना तिवारी, डॉ. संदीप पांडे, डॉ. मनोज कड़ाकोटी, डॉ. हिमानी तिवारी और अन्य शोधार्थियों के प्रयास और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल हुई है। कुलपति प्रो. एनके जोशी, कुलसचिव दिनेश चंद्रा, शोध निदेशक प्रो. ललित तिवारी, रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. आनंद बल्लभ मेलकानी ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की है।

क्या है सुपरकैपेसिटर

नैनीताल। प्रो. नंद गोपाल साहू के अनुसार उन्होंने टायर अपशिष्ट से सुपरकैपेसिटर बनाने का पेटेंट हासिल किया है।

सुपरकैपेसिटर ऊर्जा को स्टोर करने वाला एक यंत्र है। इससे किसी भी यंत्र को जल्द चार्ज किया जा सकता है।

2. New Developments

2.1 Indian language, culture and art cell was constituted in Kumaun University

Kumaun University is now going to work to preserve and promote Indian languages and culture, for which a club will be formed by the university. Through this club, online or offline teaching of many languages of India will also be done. For this, at present, a language, culture and art cell has been formed in Kumaun University. Under this, work will first be done on the protection and promotion of regional languages of the state like Kumaoni, Garhwali etc. Apart from this, work will also be done on the promotion of Tharu, Raji and other endangered languages.

Along with this, work will be done on promoting all the arts including folk art like woodwork, aipan, copper art. Historians will also be connected to this club, so that they can get complete information about the history of culture and language here. Through this club, work will be done on the interrelationship of Hindi and other languages along with regional languages and it will be aimed to underline the national nature of these languages so that the nationalist nature of the language can be brought to the fore.

कुमाऊं विवि में जल्द होगी भारतीय भाषा विकास क्लब की स्थापना

उत्तरांचल दीप

अफजल फौजी, नैनीताल

कुमाऊं श्विविद्यालय में जल्द ही भारतीय भाषा विकास क्लब की स्थापना होगी। जिसका उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं और भारतीय संस्कृति का संरक्षण संवर्द्धन करना है।

इस क्लब के माध्यम से विभिन्न भारतीय भाषाओं के ऑनलाइन या ऑफलाइन शिक्षण पर भी कार्य किया जायेगा। इसके लिए हाल ही में कुमाऊं श्विविद्यालय में भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। कुलपति प्रो. एनके जोशी के निर्देशों पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए दस समितियों का गठन किया गया है। जिसमें भारतीय भाषाओं के बीच ज्ञान साझा करने के लिए और विभिन्न भाषाओं में संरक्षित पारंपरिक ज्ञान को हिंदी और इंग्लिश भाषा में इंटरनेट पर उपलब्ध कराने के लिए कुविवि में भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ बनाया गया है। जिससे विद्यार्थियों में राष्ट्रवाद की भावना विकसित करने में प्रोत्साहन मिलेगा।

ने जानकारी देते हुए बताया कि कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से यह एक प्रयास है। भारतीय संविधान से स्वीकृत 22 भारतीय भाषाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए निर्देश के अनुपालन करने के लिए विवि की ओर से ऐसा मंच तैयार करने की योजना है, जहां छात्र इन भाषाओं को सीख सकेंगे। कहा कि संस्कृति, भाषा एवं परंपरा की भावना और ज्ञान के विकास द्वारा ही एक सकारात्मक सांस्कृतिक पहचान समाज में स्थापित की जा सकती है। जिसके लिए विद्यार्थियों को इसके लिए प्रशिक्षित करना आवश्यक है।

कुलपति प्रो. एनके जोशी, कुविवि

भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृति एवं कला की पहचान कर उनके कार्यक्रम आयोजित करना, भारतीय भाषा विकास क्लब की स्थापना करना, विभिन्न भारतीय भाषा जानने वाले शिक्षकों एवं छात्रों को जोड़ना आदि बिंदुओं पर कार्य किया जायेगा। इस संदर्भ में जल्द ही मसौदा तैयार करके कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रो. चन्द्रकला रावत, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ की प्रभारी बनाया गया है।

2.2 Kumaun University constitutes Mentoring and Psychological Counseling Cell

In the present era, every person is suffering from mental stress. The youth is also no exception to this. Due to this many diseases including mental stress are arising. To deal with them, Kumaun University has constituted Mentoring and Psychological Counseling Cell. This cell will organize workshops for the students from time to time. Also, will give counseling to students suffering from mental stress and will work to help them stay stress free.

Due to the closure of schools and colleges due to the corona epidemic, the mental problems of the students have also increased. Due to many diseases including negative thoughts, loneliness, the youth is suffering from mental stress. In such a situation, efforts are being made by the university to ensure that the students remain stress free. Under the new education policy, Along with mentoring and psychological counseling, other cells have been formed by Vice Chancellor Prof. NK Joshi.

2.3 Hon'ble Education Minister, Government of Uttarakhand inaugurated the newly constructed ERP cell and examination halls in the administrative building.

On Monday, 22 August 2022, the newly constructed ERP cell and examination halls were inaugurated in the administrative building of Kumaon University by Hon'ble Education Minister, Government of Uttarakhand, Dr. Dhan Singh Rawat ji, and Hon'ble MLA Smt. Sarita Arya ji. The Education Minister also inspected the administrative building after the inauguration. In the administrative building, Vice Chancellor Prof. NK Joshi, Registrar Mr. Dinesh Chandra and Finance Controller Mrs. Anita Arya welcomed the Hon'ble Education Minister and Hon'ble MLA with a bouquet of flowers.

उच्च शिक्षा के विकास और बेहतर सुविधाओं को लेकर सरकार गंभीरः रावत

शिक्षा मंत्री ने कुविवि के ईआरपी सेल व परीक्षा कक्षों का किया उद्घाटन

आज समाचार सेवा

नैनीताल। सूबे के शिक्षा मंत्री डा.धन सिंह रावत ने कहा है कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के विकास और बेहतर सुविधाओं को लेकर सरकार कृत संकल्पित है। नए शिक्षण सत्र से राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 को लागू कर दिया है साथ ही प्रवेश एवं परीक्षा में एकरूपता लाये जाने हेतु प्रदेश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों का एक शैक्षणिक कैलेंडर भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एकसमान शैक्षणिक कैलेंडर हेतु समिति का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष की जिम्मेदारी कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एन.के.जोशी को दी गई है।

डा.रावत ने यह विचार सोमवार को कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में नव निर्मित ईआरपी सेल एवं परीक्षा कक्षों के उद्घाटन के बाद कही। इस दौरान डा.रावत के साथ क्षेत्रीय विधायक सरिता आर्या भी मौजूद रही। शिक्षा मंत्री डा.रावत ने ने उद्घाटन के बाद प्रशासनिक भवन का निरीक्षण भी किया। इससे पूर्व प्रशासनिक भवन पहुंचने पर विवि कुलपति प्रो.एन.के.जोशी, कुलसचिव दिनेश चंद्रा एवं वित्त नियंत्रक अनीता आर्या द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर दोनों अतिथियों का विवि परिवार की ओर से स्वागत किया। इस मौके पर कुलपति प्रो० एन.के. जोशी ने बताया कि विश्वविद्यालय निरन्तर रोजगारपरक एवं कौशल आधारित नवीन पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम प्रतिबद्ध है कि नैक में अच्छा ग्रेड प्राप्त करें। जिसके लिए विश्वविद्यालय के सभी स्टेक होल्डर निरंतर कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर डीएसबी परिसर के निदेशक प्रो० एल0एम0 जोशी, विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो० एच0सी0एस0 बिष्ट, निदेशक डी0आई0सी0 प्रो० संजय पंत, निदेशक शोध प्रो.ललित तिवारी, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ0 रीतेश साह, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ0 अशोक कुमार, श्री दुर्गेश डिमरी, प्रभारी ई0आर0पी0 सेल के0के0 पांडेय समेत विधान चौधरी, अभिराम पंत एवं विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

3. Aajadi ka Amrit Mahotsav

3.1 One day state level workshop organized by Kumaon University on the topic "National Education Policy 2020" under Aajadi ka Amrit Mahotsav

On 21st July 2022, Kumaun University, Nainital organized a one-day state-level workshop on the topic "National Education Policy 2020" at MBPG College, Haldwani under the Amrit Mahotsav of Independence. The workshop was inaugurated by Chief Guest Vice Chancellor Kumaon University Prof. NK Joshi, Special Guest Director Higher Education Prof. Sandeep Kumar, Special Guest Additional Secretary Higher Education Shri Prashant Arya, Principal MBPG College Prof. NS Bankoti and Director DIC Prof. Sanjay Pant by lighting the lamp jointly.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एमबीपीजी में कार्यशाला आयोजित, कॉलेजों के प्राचार्यों ने किया प्रतिभाग

रोजगारपरक शिक्षा को मुख्य धारा में लाना नई शिक्षा नीति का उद्देश्य

बोले कुलपति

हल्द्वानी, कार्यालय संवाददाता। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक और रोजगारपरक शिक्षा के कार्यक्रमों को मुख्यधारा की शिक्षा में लाना है। इसमें छात्रों को व्यापक और बहु विषयक शिक्षा प्रदान करने का प्राविधान किया गया है। जिससे सभी छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके। ये बात कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कही।

कुमाऊं विश्वविद्यालय और एमबीपीजी कॉलेज की ओर से गुरुवार को एमबीपीजी कॉलेज के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' विषय पर एकदिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्नातक स्तर के लिए कॉमन मिनिमम सिलेबस तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रवेश एवं परीक्षा के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उत्तराखंड राज्य में क्रियान्वयन का रोडमैप भी प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. संदीप कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पूर्व प्रचलित विषय विभाजन के बजाय शैक्षिक विषयों की व्यवहारिकता बल दिया गया है। जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकें। उन्होंने राज्य में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और पाठ्यक्रम निर्धारण समिति के चेयरमैन प्रो. एनके जोशी के प्रयासों की सराहना भी की। द्वितीय सत्र में कुमाऊं विवि की प्रवेश समिति के संयोजक एवं डीआईसी निदेशक प्रो. संजय पंत द्वारा नई प्रवेश प्रक्रिया को समझाया। कार्यशाला में मौजूद प्रवेश एवं परीक्षा समिति के प्रभारियों के सवालों के जवाब भी दिए। इससे पूर्व एमबीपीजी कॉलेज के बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। कार्यशाला का संचालन मुख्य संयोजक डॉ. नवल लोहनी ने किया।

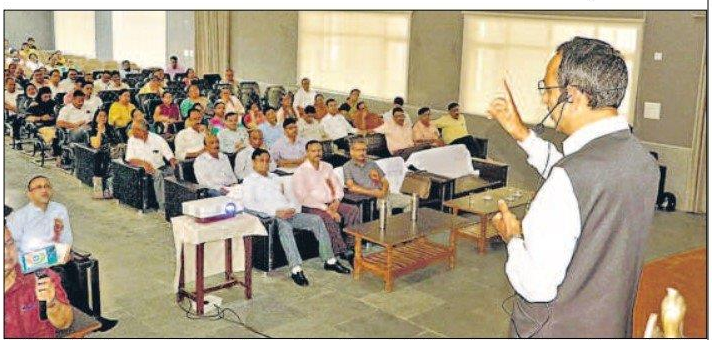

एमबीपीजी कॉलेज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी।

एकल संकाय वाले कॉलेजों के छात्र दूसरों पर रहेंगे निर्भर

हल्द्वानी। कार्यशाला में पहुंचे कुछ डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों ने बताया कि राज्य के कई कॉलेजों में आर्ट, साइंस, कॉमर्स में से किसी एक की ही फैकेल्टी को मंजूरी है। ऐसे में जहां कला स्ट्रीम के विषयों की पढ़ाई होती है उन कॉलेजों के छात्र कैसे साइंस या कॉमर्स का विषय पढ़ेंगे। नई नीति में इस दुविधा का जो विकल्प बताया है, उसके अनुसार एकल संकाय वाले कॉलेज अधिक संकाय वाले कॉलेजों से समन्वय बनाकर ऑनलाइन पढ़ाई कराएंगे। लेकिन, पर्वतीय जिलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और तकनीकी की सही व्यवस्था होने पर ही कॉलेजों के बीच ये समन्वयक हो सकेगा।

कार्यशाला ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में हुई

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रवेश एवं परीक्षा के नियमों/प्रारूपों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके इसके लिए कार्यशाला ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में हुई। गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के सभी डिग्री कॉलेजों के के प्राचार्य, निदेशक, प्रवेश प्रभारी, परीक्षा प्रभारी एवं शिक्षक जुड़े।

ये रहे मौजूद

विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा अपर सचिव प्रशांत आर्या, एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी, डॉ. बीआर पंत, डॉ. एसएन सिद्ध, डॉ. कमरुद्दीन आलम, डॉ. आरएस भाकुनी, डॉ. एचएस नयाल, डॉ. महेश कुमार, डॉ. गोविंद पाठक, डॉ. नवीन भगत, डॉ. नीलोफर अख्तर आदि मौजूद रहे।

> मेरे कॉलेज में कला संकाय के तहत हिंदी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास और राजनीति विज्ञान की ही पढ़ाई होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पहले उन कॉलेजों में लागू होनी चाहिए जहां दो या इससे अधिक संकाय स्वीकृत हों। छोटे कॉलेजों में क्रियान्वयन में दिक्कतें आएंगी। – डॉ. जीएस यादव, प्राचार्य पतलोट डिग्री कॉलेज

> ऑनलाइन पढ़ाई के लिए कॉलेजों में इंटरनेट कनेक्टिविटी समेत अन्य तकनीकी सुविधाओं की ओर ध्यान देना होगा। वहीं, वोकेशनल कोर्सेज में डिग्री कॉलेजों से एमओयू करने में शासन स्तर से कंपनियों को निर्देशन प्राप्त होना भी जरूरी है। – डॉ. नवीन भगत, प्राचार्य कोटाबाग डिग्री कॉलेज

3.2 Tiranga yatra taken out by teachers, staff and students in DSB campus of Kumaon University

On Wednesday, August 10, under the Amrit Mahotsav program of Independence, a Tiranga Yatra was taken out by the teachers, staff and students in the DSB campus of Kumaon University. The Tiranga Yatra started from Old Arts and ended at New Arts Ground. Everyone took the tiranga in their hands and said that the tricolor is our pride and identity. NCC cadets and NSS students presented songs like "Saare Jahan Se Achcha Hindostan Hamara", "Hum Honge Kamyaab", "We are all Indians" etc. The campus resonated with the slogans of Jai Hind, Inquilab Zindabad, Bharat Mata Ki Jai, Vande Mataram during the Tiranga Yatra. In the end, everyone sang the national anthem while paying homage to the freedom fighters.

कुमाऊं विवि ने निकाली तिरंगा यात्रा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी में कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में बीते रोज बुधवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्र छात्राओं द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई।

तिरंगा यात्रा ओल्डआर्ट्स से प्रारंभ होकर न्यू आर्ट्स, से होते हुए संकायाधक्ष्य साइंस, आर्ट्स, प्रोक्टर कार्यालय, बैंक ऑफ बड़ौदा से मेन गेट को जाकर ए एन सिंग हॉल से हिमालय संग्रहालय के बाद न्यू आर्ट्सके मैदान में समाप्त हुई। वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा हमारी आन बान शान और पहचान है। 79 एन सी सी, आर्मी, नेवी के कैडेट्स द्वारा एन सी सी गीत, सारे जहां से अच्छ हिंदोस्तान हमारा, हम होंगे कामयाब, सहित अन्य देशभक्ति के गीत गाकर समां बांध दिया तिरंगा यात्रा में जय हिन्द, इन्कलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय, वंदे मातरम नारों से परिसर गूंज उठा। इस दौरान शिक्षकों

कर्मचारियों और कैडेट्स द्वारा स्वतंत्रता संग्रामसेनानियो को नमन करते हुए सभी ने राष्ट्रगान गाया। सभी ने अपने हाथो में तिरंगा लिया।

तिरंगा यात्रा में शिक्षक, कर्मचारी, शोध छात्र, एनसीसी, नेवल, आर्मी विंग के कैडेट्स, तथा अन्य विद्यार्थी शामिल हुऐ। इस मौके पर प्रो. एल.एम. जोशी, प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. अतुल जोशी, प्रो.हरीश बिष्ट, प्रो.एल एस लोधियाल, प्रो.सावित्री कैरा, प्रो.इंदू पाठक, प्रो. ज्योति जोशी, प्रो.राजीव उपाध्याय, प्रो. शिरीष मौर्य, प्रो. गिरीश रंजन तिवारी, प्रो. अर्चना श्रीवास्तव, प्रो. निर्मला ढेला, डॉ. सुषमा टम्टा, डॉ. नीलू लोधियाल, डॉ. लज्जा भट्ट, प्रो जया तिवारी, डॉ. प्रियंका रुवाली, डॉ. विजय कुमार, डॉ. शशि पांडे, डॉ. पूनम बिष्ट, डॉ. आशीष तिवारी, नंदबलभ पालीवाल, रमेश पंत, डॉ. नवीन पांडे, गोपाल बिष्ट, मोहित रौतेला, इंदर, कुंजिका, निर्मला, शीतल, वसुंधरा, कुंदन एवम प्रो. ललित तिवारी सहित अन्य कर्मचारी कैडेट्स मौजूद थे।

NATIONAL CADET CORPS
5 UK NAVAL SUB UNIT

3.3 National Service Scheme Cell organized seminar and blood donation camp in DSB premises under Amrit Mahotsav

National Service Scheme Cell, Kumaun University organized a seminar and blood donation camp on Thursday in the library located on the DSB campus. The program was inaugurated by the Chief Guest, Regional MLA Smt. Sarita Arya. On this occasion, the Hon. MLA also announced to give one lakh rupees from the MLA fund for the decoration of GB Pant library. Vice Chancellor, Kumaun University Prof. NK Joshi encouraged the students in the camp and motivated everyone to donate blood.

सेवा पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ कुमाऊं के तत्वधान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर केयूआईआईसी वाणिज्य विभाग, डीएसबी परिसर व बीडी पांडे चिकित्सालय के संयुक्त तत्वधान में गुरुवार को रक्तदान शि. विर का उद्घाटन विधायक सरिता आर्या द्वारा किया गया। रक्तदान शि. विर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिन सप्ताह को समर्पित किया गया। इस दौरान विधायक सरिता आर्या ने जीबी पंत पुस्तकालय के हॉल के रिनोवेशन कार्य का उद्घाटन किया। पुस्तकालय की साज सज्जा के लिए विधायक निधि से 1 लाख रुपये पुस्तकालय की साज-सज्जा के लिए दिए। सरिता आर्या ने स्वर्गीय डा. साह के लाइब्रेरी में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। कुलपति प्रोफेसर एनके जोशी ने रक्तदान शिविर में सभी अतिथियों तथा विद्यार्थियों का स्वागत किया। तथा रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा भी की। डा. विजय कुमार समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल तथा इस रक्तदान शिविर के आयोजक ने मुख्य अतिथि सरिता आर्या, कुलपति प्रो. एनके जोशी का स्वागत कर सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपस्थित प्राध्यापक, भाजपा कार्यकर्ता, सभासद, छात्रसंघ अध्यक्ष, पत्रकार बंधु, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को भी धन्यवाद प्रेषित किया। इस मौके पर कार्यक्रम में प्रो. एलएम जोशी, प्रो. एल एस लोधियाल, डीएसडब्ल्यू डीएसबी परिसर, नैनीताल प्रोफेसर इंदु पाठक संकायाध्यक्ष कला संकाय, प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. जीतराम, प्रो. संजय टम्टा प्रोफेसर, सावित्री कैरा, डा. सुषमा टम्टा, डा. नीलू लुधियान, डा. भुवन चंद्र, डा. महेश चंद्र आदि रहे।

3.4 A two-day cultural festival "Rituranga 2022" was organized in IPSDR under the Amrit Mahotsav

A two-day socio-cultural function “Rituranga 2022” was organized by the Institute of Professional Studies and Development Research under the Amrit Mahotsav of Azadi. Various technological, business and cultural activities were organized in this socio-cultural event. In the first day of “Rituranga 2022”, a business quiz, business proposal, just do it event and debate competition on the topic “National Education

Policy 2020 – Beginning of a new era" were organized. Rangoli, folk song and folk dance competition were organized on the second day of the function.

ऋतुरंग में दिखे संस्कृति के रंग

नैनीताल में आयोजित 'ऋतुरंग-2022' समारोह में पंजाबी नृत्य करते छात्र-छात्राएं। • अमृत विचार

अमृत विचार, नैनीताल

आईपीएसडीआर की ओर से दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक समारोह 'ऋतुरंग 2022' का भव्य समापन शनिवार को हुआ। समारोह में विद्यार्थियों ने कुमाऊंनी, गढ़वाली, पंजाबी और राजस्थानी नृत्य के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वहीं छात्रों के बैंड ने कुमाऊंनी और पुराने कालजयी गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। कुमाऊंनी झोड़े एवं चांचरी की भी भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। समारोह में कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो. एनके जोशी ने कहा कि वार्षिक सांस्कृतिक समारोह हमारे देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिबिंब है और यह विविधता एक बार फिर से इस तथ्य की पुष्टि करती है कि हम सभी भारतीय हैं। समारोह के अंत में विभिन्न सांस्कृतिक, तकनीकी, बिज़नेस एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं

समारोह में कार्यक्रम पेश करतीं छात्राएं। • अमृत विचार

मेडल बांटे गए। समापन समारोह को निदेशक डीएसबी परिसर प्रो. एलएम जोशी, निदेशक आईपीएसडीआर प्रो. अमित जोशी एवं निदेशक शोध एवं प्रसार प्रो. ललित तिवारी ने संबोधित किया एवं शिक्षकगण एवं सभी छात्र -छात्राओं को समारोह के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस दौरान निदेशक डीएसबी परिसर प्रो. एलएम जोशी, निदेशक आईपीएसडीआर प्रो. अमित जोशी एवं निदेशक शोध एवं प्रसार प्रो. ललित तिवारी, उप कुलसचिव श्री दुर्गेश डिमरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अभिराम पंत, डॉ. प्रदीप जोशी, प्रभारी लीगल सेल नवीन पनेरु, लेखा परीक्षक मोहित सनवाल, डॉ. विनोद जोशी, डॉ. सारिका जोशी, डॉ. वैशाली बिष्ट आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मानसी पांडेय, नवनीत, अनस अहमद और रश्मि चौहान ने किया।

3.5 Lecture seminar organized in DSB campus under the Amrit Mahotsav of Azadi

A seminar was organized in the Department of Home Science, DSB Campus on the occasion of Amrit Mahotsav of Azadi. In the seminar the Head of the Department Prof. Lata Pandey, while saluting all the bravehearts who contributed in the struggle for independence, said that after 75 years of independence, India is celebrating the elixir of energy from its achievements, different cultures, and future possibilities. Pro. Lata Pandey informed the present students about the new avenues of employment related to the five areas of home science, food and nutrition, clothing and apparel, family resource management, human development and family studies and extension education.

3.6 Under the Amrit Mahotsav of Azadi, the Department of Forestry and Environmental Sciences organized posters, essays and lecture series

Under the Amrit Mahotsav program of Azadi, the Forestry and Environmental Science Department of DSB campus organized posters, essays and lecture series. On this occasion the Head of the Department Prof. LS Lodhiyal said that freedom fighters have played an important role in the independence of the country. He said that India can progress on the path of progress only with the significant contribution of students in independent India. Tree plantation was also done by the teachers, staff and students of Forest and Environmental Science Department, remembering the heroes who laid down their lives for the country.

देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों की अहम भूमिका : प्रो.लोधियाल

- विद्यार्थियों के महत्वपूर्ण योगदान से भारत उन्नति के पथ पर हो सकता है अग्रसर:प्रो.तिवारी
- आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला: वन एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग में व्याख्यानमाला

एवम् आज के परिपेक्ष्य में हमारे कर्तव्यों विषय पर व्याख्यान दिया।

विवि के शोध एवं प्रसार निदेशक प्रो. ललित मोहन तिवारी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में विद्यार्थियों के महत्वपूर्ण योगदान से ही भारत उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सकता है। कार्यक्रम के अंत में डा0 नीलू लोधियाल समन्वयक उन्नत भारत अभियान द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में निदेशक केयूआईआईसी डा सुषमा टम्टा , डा0

अमृत महोत्सव के तहत कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। आजादी के 75 वर्ष में अमृत महोत्सव के अंतर्गत आज डीएसबी में 21जुलाई से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ हो गया है। गुरुवार को वनस्पति विज्ञान विभाग में हुए कार्यक्रम में शोध निदेशक प्रो. ललित तिवारी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र संग्राम सेनानियों के कर्म से ही हम आजाद हुए उनको आज इस कार्यक्रम में नमन करते हैं। डांडी मार्च पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा यह कार्य करें शुरू किया गया है। जिससे युवा प्रेरित हो। प्रो. तिवारी ने कहा कि देश सबसे बड़ा है। उन्होंने महात्मा गांधी सरदार पटेल सरदार भगत सिंह सहित अन्य स्वतंत्र संग्राम सेनानियों

के योगदान को प्रस्तुत किया। प्रो. तिवारी ने नैनीताल से स्वतंत्र संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्याम लाल वर्मा, स्वर्गीय बांके लाल कंसल, स्वर्गीय डूंगर सिंह बिष्ट, राजेश अधिकारी के योगदान पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने अपर मालरोड तथा लोअर मालरोड प्रकरण पर भी चर्चा की। व्याख्यान के पश्चात विभागाध्यक्ष प्रो. एसएस बरगली प्रो. ललित तिवारी डा. नवीन पांडे, डा. हर्ष चौहान, डा. हेम जोशी, कुंजिका दुर्गापाल, अनमोल, युक्ता शर्मा, भावना, प्रमिला, नेहा, अबरार, कुंदन, रजनी, रजनी, रिया सहित एमएससी के विद्यार्थियों ने उतिष पांगर के पौधे रोपे कर स्वतंत्र संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजली दी।

3.7 One day cultural & awareness program organized by Geology Department under Amrit Mahotsav

A one-day cultural program was organized by the Geology Department of Kumaon University under the Amrit Mahotsav of Azadi. The program started with lamp lighting and Saraswati Vandana. The captivating presentations of patriotic programs by the students captivated everyone.

Addressing the program, Head of the Department, Prof. Pradeep Goswami said that everyone has to follow the duty and responsibility towards the country as a good citizen. Keeping pride and respect for the country, always be ready to take the country forward. The Amrit Mahotsav of Azadi is a milestone, awareness has to be kept about it.

During this, the devotional song 'Ae Mere Watan Ke Logon', street play 'Har Ghar Tiranga', group dance 'Desh Mera Rangeela', fancy dress 'Gandhi Ki Dandi Yatra' enthralled everyone. At the end of the program, all the participants were awarded by the guests.

आजादी का
अमृत महोत्सव
आज़ादी का
अमृत महोत्सव
(04 अगस्त 2022)
भूविज्ञान विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
(04 अगस्त 2022)
भूविज्ञान विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय

04 अगस्त 2022)
भूविज्ञान विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय

3.8 A seven-day workshop on Knowledge Environment in Research Advancement through Nurturing (KIRAN) was organized in the Department of Geology, Kumaon University under the Amrit Mahotsav of Azadi

Under the Amrit Mahotsav of Azadi, a seven-day workshop on Knowledge Environment in Research Advancement through Nurturing (KIRAN) was organized from September 5 to September 11 in the Department of Earth Sciences, Kumaon University in collaboration with the Ministry of Science and Technology, Central Government. In the workshop, ten eminent foreign scientists of geology, twenty young women geologists of the country were provided information about geology and other subjects related to it.

Program coordinator Prof. Santosh Kumar informed that in the workshop, training of modern software and technology being used at present was given, which would increase the participation of Indian women scientists in the challenging field of science in future. In the technical session of the workshop, the methods of marking granite in rock were explained. It was also told what kind of geological changes take place in the rock. There is also microlabel rock inside the rock.

Head of the Department, Prof. Pradeep Goswami welcomed the guests and informed about the achievements of the Department of Earth Sciences. Prof. Goswami informed that high quality research work is going on in the department. The students of the department are employed in all the institutions where geo-scientists are appointed. He said that quality equipment for scientists and research scholars has also been installed in the department.

As expert scientists in the training workshop, Prof. Hamoye Jaan Transua (France), Prof. Cederico Farina (Italy), Prof. Rosa Gloda (USA), Prof. Jano Sack (Czech Republic), Prof. Mathew

Mainey (South Africa), Prof. Roberto Isali and Prof. Silvio Ferrero (Italy), Prof. Bazil Picouf, Prof. Michael John Sadley and Dr. Sarah Francis Privino (USA) participated.